ये अव्यक्त इशारे

सत्यता और सभ्यता रूपी कल्चर को अपनाओ

24-03-2025

जो प्युरिटी की पर्सनलिटी से सम्पन्न रॉयल आत्मायें हैं उन्हें सभ्यता की देवी कहा जाता है। उनमें क्रोध विकार की इमप्युरिटी भी नहीं हो सकती। क्रोध का सूक्ष्म रूप ईर्ष्या, द्वेष, घृणा भी अगर अन्दर में है तो वह भी अग्नि है जो अन्दर ही अन्दर जलाती है। बाहर से लाल पीला नहीं होता, लेकिन काला होता है। तो अब इस कालेपन को समाप्त कर सच्चे और साफ बनो।

Adopt the culture of truth and good manners

Those who are royal souls with the personality of purity are called goddesses of manners. They cannot have any impurity of the vice of anger. If there is the slightest subtle form of anger in the form of jealousy, conflict or dislike, that too is a fire which burns inside you. Externally, you don't become red or yellow, but you become dark and dirty. So, finish that ugliness and become honest and clean.